Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 12-05-2005

Participants : Singh Shri Bijendra

an>

Title: Regarding ill-treatment meted out to the widow of Late Shri Abdul Hamid, a Paramvir Chakra awardee by the officials of Indian Embassy in Soudi Arab.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, आपने इस महत्वपूर्ण विाय पर मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

महोदय, इस देश की भूमि हमेशा हमेशा से ऋाि-मुनियों और त्यागियों से भरी रही है। मैं इस तरीके की एक गंभीर घटना की ओर आपका ध्यान आकृट करना चाहता हूँ। मैं 6 फरवरी, 2005 को पंजाब केसरी में छपी घटना की ओर आपका ध्यान आकर्ति करना चाहता हूँ जो सउदी अरब में स्थित भारतीय दूतावास से सम्बन्धित है। इण्डियन हज डेलिगेशन, 2005 ने अभी पिछले दिनों में सउदी अरब, जेदाह, मक्का और मदीना में हज की यात्रा की। सउदी अरब स्थित भारतीय दूतावास ने परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद की विधवा हाजी रसूलन बीबी के साथ असम्मानजनक व्यवहार किया। परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद की विधवा हाजी रसूलन बीबी को प्रधानमंत्री ने हज डेलिगेशन, 2005 के लिए चुना था, प्रधानमंत्री जी ने उनको हज यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं दी थी और विदाई देने के लिए एक चाय पार्टी का आयोजन भी किया था। रसूलन बीबी को विदेश मंत्रालय के हज प्रकोठ में एक्जीक्युटिव क्लास की एयर इण्डिया की टिकट दी गयी थी, परन्तु जब वह जेदाह से दिल्ली के लिए रवाना हुईं तो उन्हें इकोनोमी क्लास में एक घटिया सीट एलॉट की गयी। इस पर उनके पोते ने नाराजगी जताई और सउदी अरब के राजदूत एच.एम. फारूकी के स्टॉफ को भी इस विाय में अवगत करा दिया था। रसूलन बीबी की तबीयत खराब होने और बुजुर्ग होने पर भी इकोनोमी क्लास की सीट दी गयी। अगर एक परमवीर चक्र विजेता की विधवा के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है तो आप इसका अंदाजा लगा सकते हैं कि आम आदमी के साथ क्या व्यवहार किया जाता होगा। यही नहीं, और भी अनेक हज यात्री जो उत्तर प्रदेश के रायबरेली, अलीगढ़ आदि जिलों से जाते हैं, उनके साथ भी ऐसा ही दुर्व्यवहार किया जाता है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि विदेश मंत्रालय और सउदी अरब स्थित भारतीय दूतावास के जिन अधिकारियों को गुडि वल हज डेलिगेशन, 2005 की यात्रा का दायित्व दिया गया था और जिन्होंने बदसलूकी की है, माननीय मंत्री जी उनके विरूद्ध तुरन्त कार्रवाई करें। मैं कहना चाहता हूँ कि अब्दुल हमीद ने देश की रक्षा के लिए, 1965 के युद्ध में जो काम किया था, वह देशभक्ति का काम था। रसूलन बीबी से बदसलूकी की इस घटना से पूरे देश के करोड़ों लोगों को दुख पहुंचा है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपने बहुत अच्छा विाय उठाया है।

चौधरी विजेन्द्र सिंह : महोदय, भविय में इस तरह की कोई घटना न हो, इसलिए सरकार इसे संज्ञान में लेकर दोाियों के विरूद्ध कार्रवाई करे।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आपकी बात पूरी हो गयी। मंत्री जी भी यहाँ बैठे हुए हैं, उन्होंने आपकी बात सुन ली है।